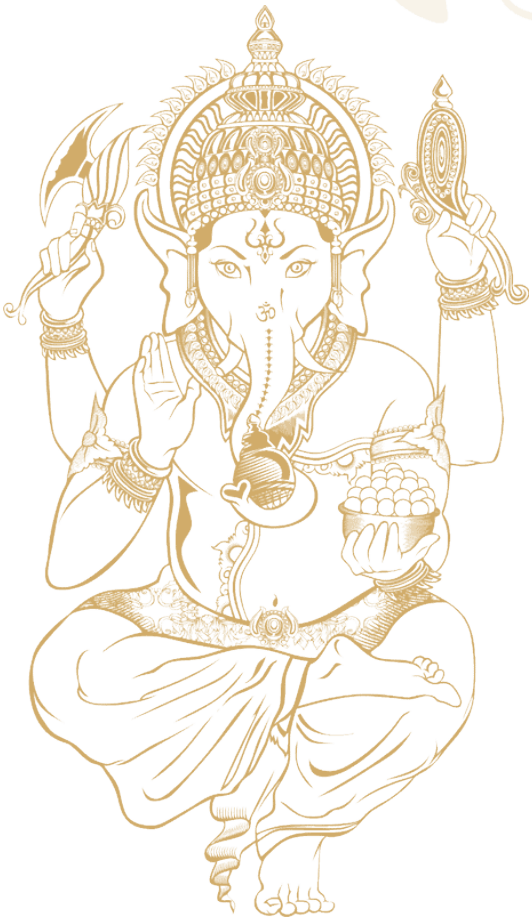

Harish Prana

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119590801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119590801 Date: 28/09/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/12/1994	जन्म तिथि	01/04/2000
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 22:52:00	जन्म समय	10:05:00 घंटे
घटी 39:08:44	जन्म समय(घटी)	09:51:29 घटी
India	देश	India
Jubbal	स्थान	Simla
31:05:00 उत्तर	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
77:40:00 पूर्व	रेखांश	77:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:12:30	सूर्योदय	06:10:23
17:20:10	सूर्यास्त	18:40:27
23:47:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:23
सिंह	लग्न	वृष
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मिथुन	राशि	कुम्भ
बुध	राशि-स्वामी	शनि
पुनर्वसु	नक्षत्र	धनिष्ठा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	मंगल
1	चरण	4
ब्रह्म	योग	साध्य
गर	करण	कौलव
के-केवल	जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
मार्जार	योनि	सिंह
देव	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मार्जार

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 13वर्ष 8मा 25दि		15:44:50	सिंह	लग्न	वृष	27:37:04	मंगल 1वर्ष 3मा 8दि	
शनि		03:47:30	धनु	सूर्य	मीन	17:53:59	गुरु	
14/09/2008		21:53:07	मिथु	चंद्र	कुंभ	04:14:24	11/07/2019	
15/09/2027		07:39:45	सिंह	मंगल	मेष	12:49:27	11/07/2035	
शनि	18/09/2011	06:55:59	धनु	बुध	कुंभ	20:22:22	गुरु	28/08/2021
बुध	28/05/2014	08:24:37	वृश्चि	गुरु	मेष	15:21:42	शनि	10/03/2024
केतु	07/07/2015	19:47:56	तुला	शुक्र	कुंभ	29:14:58	बुध	16/06/2026
शुक्र	05/09/2018	13:16:45	कुंभ	शनि	मेष	21:39:57	केतु	23/05/2027
सूर्य	18/08/2019	20:14:15	तुला व	राहु व	कर्क	07:19:59	शुक्र	21/01/2030
चन्द्र	19/03/2021	20:14:15	मेष व	केतु व	मक	07:19:59	सूर्य	09/11/2030
मंगल	28/04/2022	00:59:44	मक	हर्ष	मक	25:48:36	चन्द्र	10/03/2032
राहु	04/03/2025	28:19:56	धनु	नेप	मक	12:20:23	मंगल	14/02/2033
गुरु	15/09/2027	05:18:39	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:58:05	राहु	11/07/2035

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:24 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:23

लग्न-चलित

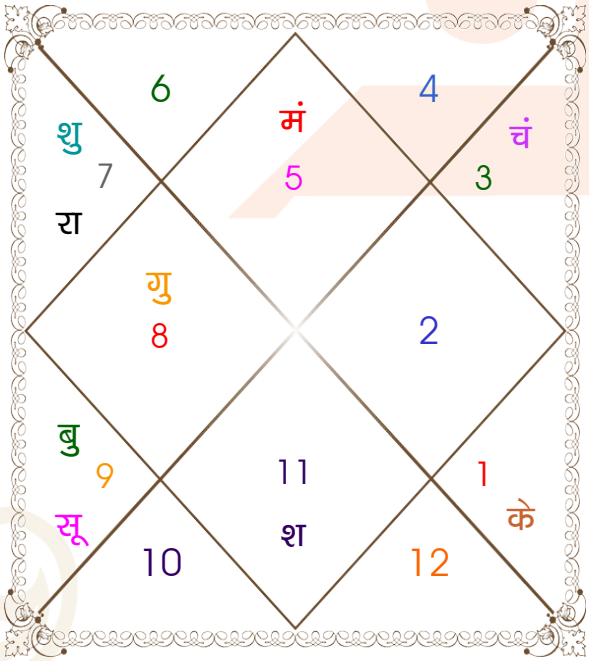

लग्न-चलित

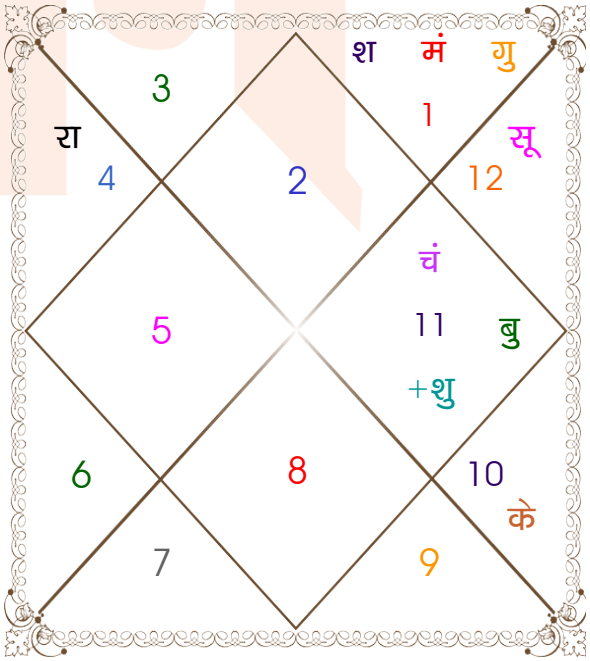

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

कुल : **19.5 / 36**

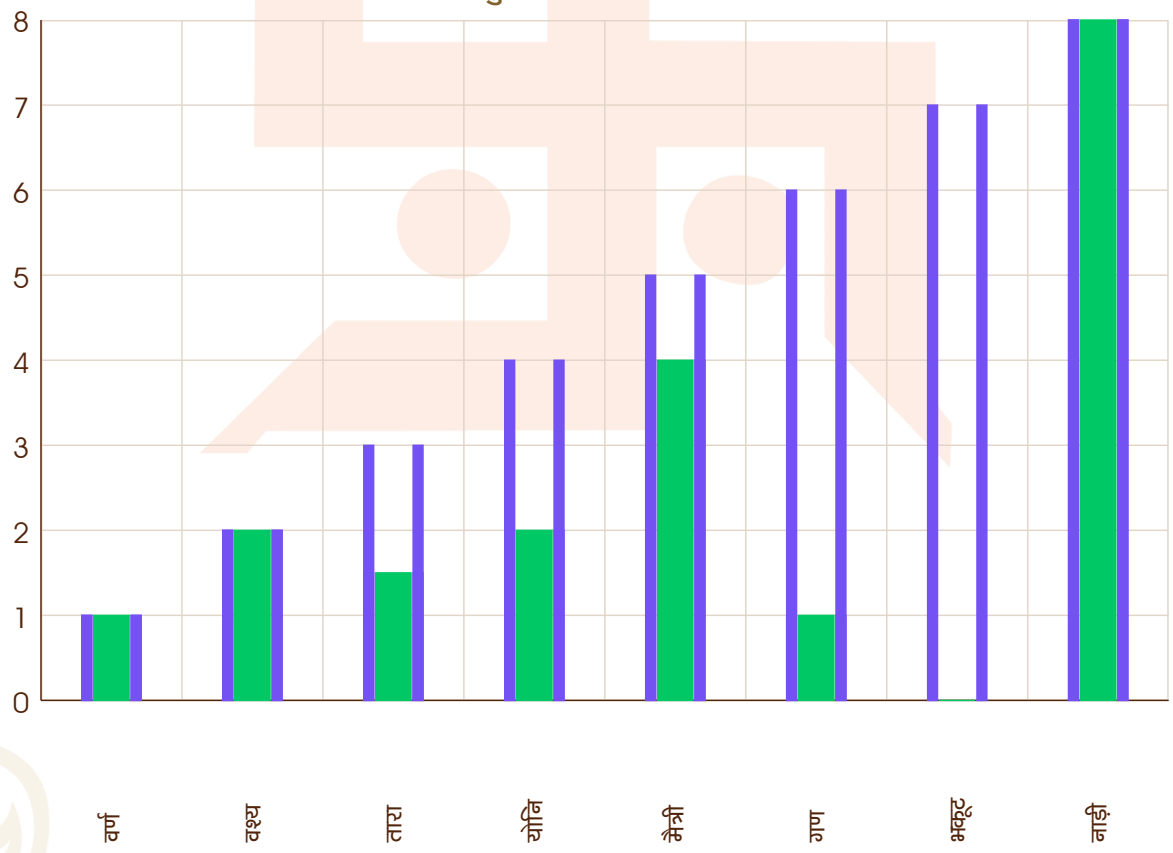

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Harish का वर्ग मार्जार है तथा Prana का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Harish और Prana का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Harish मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Prana मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Prana कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ध्;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Prana कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Prana कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Prana कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Harish कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Harish तथा Prana में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Harish का वर्ण शूद्र है तथा Prana का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

Harish का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Prana का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Harish एवं Prana दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Harish की तारा विपत तथा Prana की तारा मित्र है। Harish की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Harish एवं Harish के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Prana हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Prana को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Harish की योनि मार्जार है तथा Prana की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में

दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Harish का राशि स्वामी Prana के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Prana का राशिस्वामी Harish के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Harish का गण देव तथा Prana का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Prana निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Prana की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Harish से Prana की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Prana से Harish की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। Harish की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

Harish की नाड़ी आद्य है तथा Prana की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Harish की जन्मराशि वायुतत्व युक्त मिथुन तथा Prana की राशि भी वायुतत्व युक्त कुम्भ राशि है। नैसर्गिक रूप से वायुतत्व की समानता के कारण Harish और Prana के परस्पर संबंधों में मित्रता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण एवं लगाव के कारण मित्रतापूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे। अतः मिलान अच्छा रहेगा।

Harish की राशि का स्वामी बुध तथा Prana की राशि का स्वामी शनि है जो एक दूसरे से मित्र तथा समभाव में पड़ते है। अतः इसके प्रभाव से Harish और Prana सामंजस्य स्थापित करने में समर्थ होंगे तथा एक दूसरे को जीवन की सुख शान्ति की अभिवृद्धि में सदैव सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करके परस्पर प्रसन्नतापूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे।

Harish और Prana की जन्मराशियां परस्पर पंचम तथा नवम भाव में पड़ती हैं। अतः यह एक भकूट दोष है। इसके प्रभाव से Harish और Prana की मानसिकता तथा अन्य सांसारिक कार्य कलापों के प्रति मतभेद रहेंगे तथा परस्पर अहंकार का भाव भी विद्यमान रहेगा। ऐसे समय में दाम्पत्य संबंधो में तनाव एवं कटुता का भाव उत्पन होने की प्रबल संभावना रहेगी साथ ही दोनों की मित्रता का विस्मत क्षेत्र होने के कारण परस्पर शंकाएं उत्पन करके संबंधो में न्यूनता करेंगे। अतः बुद्धिमतापूर्वक आपसी समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

Harish और Prana दोनो का वश्य मानव है। अतः इनकी परस्पर शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी तथा कामभावनाओं में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में समर्थ रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में वृद्धि होगी।

Harish और Prana दोनों का वश्य शूद्र है। अतः दोनों की प्रवृति किसी भी कार्य को इमानदारी एवं परिश्रम से करने की रहेगी तथा किसी भी कार्यक्षेत्र में चुनाव की अभिलाषा नहीं होगी। अतः कर्त्तव्यपरायणता एवं परिश्रम के कारण उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

धन

Harish और Prana की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन Prana पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए दम्पति को विषमता का आभास हो सकता है।

Harish की प्रवृति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य व्यसनों में वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक उपार्जित धन को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

स्वास्थ्य

Harish की नाड़ी आद्य तथा Prana की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इनका स्वास्थ्य अच्छा ही रहेगा परन्तु मंगल का दोनों के ऊपर दुष्प्रभाव होगा जिससे दोनों धातु या गुप्त रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही Harish हृदय रोग संबधी परेशनियों से युक्त रहेंगे जिससे शारीरिक क्षीणता रहेगी तथा Prana को गर्भपात की संभावना होगी। मंगल के प्रभाव से Harish के पुरूषत्व में न्यूनता आएगी तथा Prana भी उदासीनता का भाव प्रदर्शित करेंगी फलतः उनके दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता का आभास होगा। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए Harish और Prana को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही मूंगा धारण करना दोनों के लिए श्रेयष्कर रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Harish और Prana का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Harish और Prana के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Prana के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Prana को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Prana को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Harish और Prana सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Harish और Prana का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Prana के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही Prana सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि Prana किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी Prana को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण Prana के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

Harish तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Harish के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से Harish के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण Harish के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com